RAJYA SABHA

Tuesday, the 12th May, 1992/22nd Vaisakha, 1914 (Saka)

The House met at eleven of the clock, **Mr. Chairman** in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Direct Dialling Facilities to more Countries

*201. SHRI ISH DUTT YADAV : †
SHRI SATYA PRAKASH MALAVIYA :

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) what are the names of the countries to which direct dialling facility is available at present ;

(b) whether this facility is being further extended to some more countries ; and

(c) if so, what are the details thereof ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (*SHRI RAJESH PILOT*) : (a) Sir, direct dialling facility to 226 countries is available at present. The names of the countries are given in the annexure. [*See* Appendix CLXIII, Annexure No. 34]

(b) and (c) ISD facility is already available to almost all countries of the world. It is proposed to extend this facility to the remaining few countries like Afghanistan, Diego Garcia, Kampuchea and Tokelan Island also as and when they are technically ready to start the service. No specific time frame can be indicated at present.

श्री ईश दत्त यादव : मान्यवर सभापति जी, आज के वैज्ञानिक युग में यातायात, वायुयान आदि जो साधन हैं इसके अतिरिक्त टेलीफोन सेवाएं आज दुनिया को बहुत करीब ला रही हैं लेकिन माननीय मंत्री जी का जो उत्तर है इससे यह जाहिर होता है कि सन् 1976 से कुछ देशों में सेवाएं शुरू की गई और अधिकांश सेवाएं सन् 1986-87 से शुरू की गई हैं और अब तक 226 देशों में डायरेक्ट डायलिंग सुविधाएं उपलब्ध हैं । माननीय मंत्री जी ने अपने उत्तर में यह हमारे प्रश्न के पार्ट "बी" और "सी" में कहा है कि,

> "It is proposed to extend this facility to the remaining few countries like Afghanistan, Diego Garcia, Kampuchea and Tokelan Island...."

लेकिन इन्होंने इसके बारे में कोई समयबद्ध योजना की बात नहीं कही है कि इन मुल्कों में जो महत्वपूर्ण देश हैं इन मुल्कों से सीधी सेवाएं कब तक प्रारंभ हो जाएंगी । इसलिए मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जिन देशों का इन्होंने उल्लेख किया है अफगानिस्तान समेत इन देशों से डायरेक्ट डायलिंग फैसिलिटीज़ के बारे में सरकार ने कब से योजना बनाना शुरू किया था और इन योजनाओं को कार्यान्वित करने में क्या कठिनाई हो रही है ? क्या भारत सरकार की ओर से इसमें कोई विलम्ब हो रहा है या जिन देशों से डायरेक्ट डायलिंग फैसिलिटीज़ की सुविधा प्राप्त करना है उन देशों की ओर से कोई कठिनाई उत्पन्न हो रही है, जिसके कारण माननीय मंत्री जी कोई समयबद्ध योजना की बात नहीं कह पा रहे हैं और असमर्थता व्यक्त कर रहे हैं ? इसलिए मैं यह जानना चाहता हूं कि माननीय मंत्री जी इस कठिनाई को दूर करके कब तक इन देशों से सीधी टेलीफोन सेवाएं उपलब्ध करा सकेंगे ?

श्री राजेश पायलट : सभापति जी, जैसा माननीय सदस्य जी ने कहा कि यह बहुत जरूरी है कि ज्यादातर सभी देशों से हमारा

†The question was actually asked on this floor of the House by Shri Ish Dutt Yadav.

सीधे टेलीफोन की सुविधाएं स्थापित हों और अगर माननीय सदस्य देखें जैसे मैंने कहा कि 1988-89 में करीबन 177 देश थे और आज 226 देश हम जोड़ चुके हैं, हमारी तरफ से पूरी तैयारी रहती है, लेकिन कुछ कारण ऐसे होते हैं जिन देशों से आप जुड़ना चाहते हों उन देशों की तरफ भी टैक्नीकल फैसिलिटीज एवेलेबल हों, तभी सीधी सुविधाएं हम दे पाते हैं। दो तरह से हम लोग दूसरे, सारी दुनिया के देशों से जुड़े हैं, एक सैटेलाईट सिस्टम और दूसरे केबल सिस्टम से। कहीं सैटेलाईट आसान पड़ती है और कहीं केबल सिस्टम से जोड़ने की कोशिश की है। मैं माननीय सदस्य की बात से सहमत हूं कि हमें इसमें जल्दी करनी चाहिए और हम कोशिश करेंगे जो भी टैक्नीकल कमी इन देशों की अभी रही भी हो हमारी तरफ से तैयारी है और हम उसमें और शीघ्रता लाने के प्रयास करेंगे।

श्री ईश दत्त यादव : मान्यवर, मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद, यह प्रयास कर रहे हैं जल्दी से टेलीफोन सेवाएं इन देशों से उपलब्ध कराने के लिए। मेरा दूसरा पूरक प्रश्न है माननीय मंत्री जी से कि दुनिया के कुछ देश ऐसे हैं जहां पर भारतीय मूल के लोग ज्यादातर निवास करते हैं। वैसे तो पूरी दुनिया में भारतीय मूल के लोग हैं, लेकिन फिजी, सूरीनाम, मॉरीसस और त्रिनिदाद---ये ऐसे देश हैं जहां पर कि भारतवर्ष के मूल निवासी ज्यादा फैले हुए हैं और अधिकांशतः इन देशों में वे शासन में भी हैं, प्रशासन में भी हैं और सरकार में भी हैं। खासकर पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार के लोग सूरीनाम, मॉरीसस और सी०जी०आर० देशों में हैं। तो मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि ये जो भारत के मूल निवासी फिजी, मॉरीसस, सूरीनाम और त्रिनिदाद आदि देशों में हैं, क्या इन लोगों से वार्ता करने के लिए, इन लोगों से संबंध स्थापित करने के लिए कोई कंसेशनल रेट्स पर भारत सरकार विचार कर रही है? अगर नहीं विचार कर रही है तो सरकार के समक्ष क्या कठिनाई है क्योंकि अगर इन लोगों से कंसेशनल रेट्स पर वार्ता की सहूलियत भारत सरकार दे दे तो इन देशों का भारत के लोगों से और अच्छा मैत्रीपूर्ण संबंध हो जाएगा क्योंकि यहां के लोग भारतीय मूल के निवासी है?

श्री राजेश पायलट : अध्यक्ष महोदय, यह अच्छा सुझाव है। मैं इसकी कोशिश करूंगा कि किसी तरह से इसमें हम मदद कर सकें। यह अच्छा सुझाव है।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : माननीय सभापति जी, मंत्रीजी कृपया यह बताने की कृपा करें कि इनके यहां एक विदेश संचार निगम है जिसका कि गठन 1 अप्रैल, 1986 को हुआ था। यह विदेश संचार निगम अंतर्राष्ट्रीय टेलीफोन सेवा के संबंध में काम देखता है। मैं संक्षिप्त में यह जानना चाहता हूं कि इस विदेश संचार निगम का कार्य क्षेत्र क्या है और इसका वर्तमान संघात्मक ढांचा या ऑर्गनायजेशन स्ट्रक्चर क्या है?

श्री राजेश पायलट : अध्यक्ष महोदय, विदेश संचार निगम का गठन विदेश सेवाओं के लिये सन् 1986 में किया गया था। करीबन् 3 हजार कर्मचारी इसमें काम करते हैं और सन् 86 से इन्होंने अच्छी प्रगति की है और जहां तक मुझे खबर है ज्यादातर ये प्रॉफिट में रहे हैं। वर्ष 1991-92 में करीबन् 226.8 करोड़ का प्रॉफिट रहा था और इसमें बराबर हम विस्तार भी करते रहे हैं। पहले इनके दो सैटैलाइट स्टेशंस थे, अब दो और सैटेलाइट स्टेशंस जोड़ रहे हैं। जबसे इस विदेश संचार निगम की

स्थापना हुई है, तब से ट्राफिक में भी बढ़ोतरी हुई है, सेवाओं में भी बढ़ोतरी हुई है और सरकार की ओर से इनको पूरा प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : क्या इसकी कार्यशैली से सरकार पूरी तरह से संतुष्ट है ?

श्री राजेश पायलट : कार्यशैली से तो जनता को संतुष्ट होना है।

श्री सत्य प्रकाश मालवीय : सरकार है कि नहीं ?

श्री राजेश पायलट : और जैसाकि मैंने कहा सेवाएं सुधार में हैं। इन्होंने सेवाओं में सुधार के लिए बहुत प्रयास भी किए हैं, लेकिन कहीं-कहीं सच्चाई यह है, मुझे अपने ही डिपार्टमेंट के बारे में नहीं कहना चाहिए, लोग हंस कर कह देते हैं कि साहब, विदेश में बात जल्दी हो जाती है और कभी-कभी देश के लोकल एरियाज में देर में होती है। तो सुधार है और सच्चाई मैंने आपको बतायी है जो कि ज्यादातर मुझे बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के इलाकों में सुनने को मिली है। जब मैं वहां गया तो उन्होंने कहा कि साहब, लोकल के लिए हमें कभी-कभी बहुत देर लग जाती है। इसके साथ ही जो हमने पी०सी०ओ० चलाए थे पंचायतों में लगाने के लिए, तो उन्होंने कहा कि हमने पी०सी० ओ० से पेरिस में बात कर ली पूर्वी उत्तर प्रदेश के एक गांव से। तो सुधार है इनमें, तभी तो लोग इससे प्रसन्न हैं।

श्री सभापति : इधर सुधार है, उधर ठीक है कि नहीं, यह बात अलग है।

SHRI KAPIL VERMA : Sir, I would like to know what the plans are for expansion of digital switches at the four metropolitan gateways for international circuits.

Secondly, how many countries are covered by direct telephone service which facilitates the reverse call facility payable through credit cards or as collect cards ? What are the expansion plans and what is the progress at the coastal Arvi Station at Arvi near Pune ?

SHRI RAJESH PILOT : Sir, at the moment, there are four gateway systems in the country for international communications. We have four digital and three analogue. These are the two systems at the four gateways of working. At the moment, we have satellites at two places—Arvi and Dehradun. As I said earlier, we are planning to have two more satellites at Calcutta and Madras. Similarly, on the cable, it is from Madras to Malaysia and Bombay to UAE. We are also planning to expand the cables. We have just got into discussions with the SEAMEWE, South East Asia, Middle East and the West Europe. This will also further give us expansion chances for international communication.

So far as the question regarding the return facilities from some countries is concerned, I need a separate notice for it so that I can say which countries have incoming and out-going services both. I will not be able to give a correct information at this juncture for all the countries.

SHRI KAPIL VERMA : And what about the progress of work of the coastal earth station at Arvi ?

SHRI RAJESH PILOT : Arvi has an earth station, Sir. It is already functioning, and we are having at extension of it at Calcutta and Madras on satellite. Arvi is a full-fledged satellite earth station.

MR. CHAIRMAN : Mr. Chimanbhai Mehta.

श्री चिमनभाई मेहता : सर, वैसे तो मेरा यह प्रश्न डायरेक्टली डायरेक्ट डायलिंग से जुड़ा हुआ नहीं है।

श्री सभापति : नहीं है तो यह मत पूछना, दूसरा पूछ लेना। आप दूसरा पूछिए, नहीं तो फिर इस सप्ताह में बस गया। ... (व्यवधान) ..

श्री चिमनभाई मेहता : बहुत जरूरी है, सर। . . . (**व्यवधान**) . . .

श्री सभापति : इस सप्ताह में, इस सेसन में फिर आपका नंबर नहीं आएगा। आज पूछना चाहो, आज पूछ लो, कल या परसों भी है। . . . (**व्यवधान**) . . . संबंधित नहीं है तो मत पूछो। देखो, मेरी राय मान लो। अगर इससे संबंधित नहीं है तो आपका वेस्ट हो जाएगा। मैं सिर्फ जो संबंधित होगा, उसी की इजाजत दूंगा। मैंने जयन्ती नटराजन से भी वही काम किया था, वही आपके साथ होगा। मैं एक ही उससे करता हूं। यह नहीं कर सकता कि जयन्ती नटराजन को एक . . . (**व्यवधान**) . . .

SHRI S. JAIPAL REDDY : Sir, you have just heard my one line. I am afraid, he is being punished.

MR. CHAIRMAN : When he himself has said it is unconnected, why is he trying it? . . . (*Interruptions*) . . . .

SHRI S. JAIPAL REDDY : No, no. Are you trying to punish him for being a gentleman, Sir? . . . (*Interruptions*) . . .

SHRI DIPEN GHOSH : There may be a wrong connection. Let him connect it first . . . . (*Interruptions*) . . .

MR. CHAIRMAN : If it is very unconnected, why are you doing it? You are a very wise man . . . (*Interruptions*) . . . . Being a senior man, don't ask an unconnected question which you yourself know that it is unconnected. Instead of my telling you, when you yourself have done it, then it is all right . . . . (*Interruptions*) . . . .

SHRI DIPEN GHOSH : Sir, let him dial first of all.

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI : Sir, many countries in the world have introduced a system of "Collect Call". Are we going to introduce this system in India?

SHRI RAJESH PILOT : What system?

MR. CHAIRMAN : Collect Call.

SHRI RAJESH PILOT : Sir, it is already functioning as far as I recollect . . . (*Interruptions*) . . .

SOME HON. MEMBERS : No, no, no.

SHRI RAJESH PILOT : Some people are paying there and getting a call here, but I can ask for the correct information; I am checking it . . . . (*Interruptions*) . . . .

श्री प्रमोद महाजन : आप इधर से उधर कर सकते हैं, उधर से इधर नहीं कर सकते। इधर से उधर करें तो, उनकी कलेक्ट कॉल है यू० एस० ए० में, तो वह तो कर लेते हैं। हमारे पास कलेक्ट कॉल है क्या? जो यू०एस०ए० से आदमी यहां करे और बिल मैं दूं। . . . (**व्यवधान**) . . .

SHRI RAJESH PILOT : Sir, I will find it out and give you the correct information.

श्री सोमपाल : यह करना नहीं चाहिए। विदेशी मुद्रा का बहुत बड़ा नुकसान है।

श्री राजेश पायलट : सर, मैं इस पाइंट को भी ध्यान में रखूंगा।

श्री सभापति : तो दोनों बातें ध्यान में रखिएगा। श्री संतोष बागड़ोदिया।

SHRI SANTOSH BAGRODIA : Mr. Chairman, Sir, after all this *idhar udhar*, I would like to know from the hon. Minister whether it is true that as compared to the calls which are made from developed and other countries to India, the calls made from India to those countries are more expensive. That is part (a). Part (b) is this. Whenever we try to get a call from outside, say from USA to India, they connect it immediately. It is like a demand call. Here, first we don't get 186 and 187. Once we get it and book a call, we have to wait for days together to get the call. Is there any system . . . (*Interruptions*) . . .

MR. CHAIRMAN : For which country do you have to wait for days together ?

SHRI SANTOSH BAGRODIA : No, no; I am talking about many countries, in general.

MR. CHAIRMAN : Because I was told that getting connected to a foreign country is easier than getting connected to another place in India.

SHRI JAGESH DESAI : You are right, Sir.

SHRI SANTOSH BAGRODIA : Sir, give me a second. I think, probably, my question is not clear. It is not for STD. It is only for calls, trunk calls, which are made through booking, because once you don't get STD, you have to book a trunk call. There are countries like Bangladesh, Sri Lanka, where even the calls are not booked. You don't get on STD sometimes because of certain difficulties .... (*Interruptions*) ...

MR. CHAIRMAN : Yes, he is answering all this ... (*Interruptions*) ...

SHRI SANTOSH BAGRODIA : I would like to have these clarifications.

SHRI RAJESH PILOT : Sir, let me correct the answer to the previous question that we are not allowing the 'Collect Call' system because of the problem of collection of foreign exchange. In the second question the hon. Member has said that there are some problems about the trunk calls. It is a fact that when you get a number through the trunk call, there are problems, and as I have explained in the House earlier, Delhi and Bombay are the two places where we are having problems in getting a foreign number through the exchange, through a trunk call, but STD is much easier. Some improvement has been done, and we are processing those faults. We are processing these faults in our system where this can be rectified. I do agree with this and I will do my best to improve it.

SHRI SANTOSH BAGRODIA : I did not ask about the collect call. Since he has replied to that I want some clarification and the entire House is interested in it.

MR. CHAIRMAN : That was the answer to the earlier question. First he gave answer to the earlier question and then to your question.

SHRI SANTOSH BAGRODIA : All right, I understand it. The problem is that other countries do not allow collect calls. I want a classification on this.

MR. CHAIRMAN : Your question is different.

SHRI SANTOSH BAGRODIA : What he has said is not relevant. There is no credibility; they think India would not pay if collect calls are allowed. Please clarify this.

SHRI RAJESH PILOT : I have said that we have some difficulty in collecting the foreign exchange. I don't think that your question relates to our country. It may be that somebody rings you from where we find it difficult to collect the foreign exchange. That is the problem.

SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL : The Minister is not correct. Numbers 186 and 187 are absolutely not available. You cannot get those numbers, any number of times you may dial.

SHRI RAJESH PILOT : I have accepted that there are some problems. We are improving it.

श्री राम अवधेश सिंह : सभापति महोदय, यह तारांकित प्रश्न के माध्यम से एक ऐसा पंडोरा बॉक्स खुल गया है जिस पर बहस की जरूरत लम्बी है ।

श्री सभापति : आप प्रश्न कर लीजिए, यह अच्छा रहेगा, पंडोरा बॉक्स में गए तो गड़बड़ हो जाएगा ।

श्री राम अवधेश सिंह : सभापति महोदय, मैं यह जानना चाहता हूं मंत्री जी से कि क्या इनको मालूम है कि जिस टेलीफोन में

एस० टी० डी० का कनेक्शन नहीं है और इनके मंत्रालय के लोगों ने भी लिख कर किया है कि एस०टी०डी० सुविधा नहीं दी जाती है और टेलीफोन वाले ने भी लिख कर दिया है कि हमको एस०टी०डी० नहीं चाहिए, दोनों कागज जिस टेलीफोन पर मौजूद हैं, उस पर 5,48,056 रुपए का बिल आया है। श्री आर० एस० आदिल हैं, एक एडवोकेट हैं, यमुना पार में रहते हैं, उन्होंने मुझको. . .

श्री सभापति : डायरेक्ट डायलिंग इन्होंने कैसे कर लिया ? डायरेक्ट डायलिंग का बिल था ? डायरेक्ट डायलिंग टू फॉरेन कंट्रीज़ का बिल था ?

श्री राम अवधेश सिंह : नहीं, कुछ है नहीं।

श्री सभापति : सवाल तो डायरेक्ट डायलिंग का हो रहा है, बिल का सवाल नहीं है। प्लीज़। Please be kind enough to the House. सदन पर कृपा कीजिए, सदन के और सदस्यों पर कृपा कीजिए। समय बहुत मूल्यवान है।

श्री अवधेश सिंह : मैं यह कह रहा हूं. . .

श्री सभापति : क्वेश्चन नम्बर 202। सब ठीक है, बैठ जाइए।

श्री राम अवधेश सिंह : मैं यह कह रहा हूं कि देशी लोग. . .

श्री सभापति : देशी-विदेशी का सवाल नहीं है। आप विराजिए, आपका कुछ रिकार्ड में नहीं जाएगा। Please take your seat Anything he says will not go on record Question No. 202.

Rural Assignment to Officers in the State Bank of Indore

*202. SHRIMATI KAMLA SINHA : Will the Minister of FINANCE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that officers after their promotion are required to be posted in rural branches under the Rural Assignment Policy ;

(b) if so, whether this policy is being followed by the branches in Delhi of the State Bank of Indore ;

(c) what is the number of officers who have been promoted but have not undergone rural assignment till date ; and

(d) what are the reasons therefor ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI DALBIR SINGH) : (a) to (d) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) As per guidelines issued by the Government in exercise of powers contained in the Officers Service Regulations of the bank, with effect from 1st June, 1988 a minimum service of 2 years in the rural branch and 3 years in the rural/semi-urban branch is essential for the officers in JMG Scale-I and MMG Scale-II to become eligible for promotion to MMG Scale-II and MMG Scale-III, respectively. However, considering the difficulties faced by the banks in providing to their officers rural/semi-urban branches experience, various banks have been advised, on request, to consider for promotion such of the officers who could not complete the requisite rural/semi-urban assignments but were otherwise eligible for promotion subject to the condition that on promotion they will be posted to rural/semi-urban branches to acquire such experience.

(b) to (d) State Bank of Indore has reported that it is following this policy in respect of its officers posted in its branches